Literacy for a Billion

Movie: Aadmi
Year: 1968

Song: Na Aadmi Ka Koi Bharosa
Lyricist: Shakeel Badayuni

तेरी मोहब्बत पे शक नहीं है
तेरी वफ़ाओं को मानता हूँ
मगर तुझे किसकी आरज़ू है
मैं ये हक़ीक़त भी जानता हूँ

ना आदमी का कोई भरोसा
ना दोस्ती का कोई ठिकाना
वफ़ा का बदला है बेवफ़ाई
अजब ज़माना है ये ज़माना

ना आदमी का कोई भरोसा

ना हुस्न में अब वो दिलकशी है
ना इश्क़ में अब वो ज़िन्दगी है
जिधर निगाहें उठाके देखो
सितम है धोखा है बेरुख़ी है
बदल गए ज़िन्दगी के नग़में
बिखर गया प्यार का तराना

बदल गए ज़िन्दगी के नग़में
बिखर गया प्यार का तराना

ना आदमी का कोई भरोसा

दवा के बदले में ज़हर दे दो
उतार दो मेरे दिल में खंजर
लहू से सींचा था जिस चमन को
उगे हैं शोले उसी के अन्दर
मेरे ही घर के चराग़ ने खुद
जला दिया मेरा आशियाना
मेरे ही घर के चराग़ ने खुद
जला दिया मेरा आशियाना

ना आदमी का कोई भरोसा
ना दोस्ती का कोई ठिकाना
वफ़ा का बदला है बेवफ़ाई
अजब ज़माना है ये ज़माना

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.